A right beginning but inadequate

The non- executive unions in the BSNL workers Alliance had been demanding that all the registered and applicant unions be extended Minimum Trade union facilities viz. Informal meeting, Notice Board and special casual leave for the conferences for their smooth and proper functioning. The demand was forcefully placed on 12th December in the formal meeting before 15th December strike. The management indicated to consider the demand seriously as we had very categorically stated that *more than 55 percent of work force are out of the Negotiating Machineries and their grievances are being not redressed.* Such atmosphere does not augur well for the company. The dissatisfied workers may not contribute to the services as expected from them.

However, to our great dismay and shock the management issued an order on 5th January instructing the field units to meet informally the representatives of such unions which have secured 15% membership in last verification for redressal of their staff grievances. The management has adopted different path on the issue much to our surprise. The management has made, no doubt, a right move but it is inadequate and insufficient. The management has not evolved any definite mechanism for settlement of the problems of employees who are not within the fold of Negotiating Machineries. ***The administration is expected to realize that the workers with sufferings and problems may not contribute much as expected from them.*** The company is in crisis which can be blown over only with the support and cooperation of satisfied and tension free workers. The disaster is inevitable if the fact is ignored by the administration.

It is heartening that the BSNLEU although belatedly has taken initiative to build unity by proposing “BSNL own Rules for recognition” on proportionate basis. But this alone may not help in building broad based unity and grant of minimum facilities to unions is necessary to achieve the mission and target. Moreover, it should not be brushed aside that the non- executive staff got raw treatment in many matters including NEPP due to lack of unity amongst non- executive unions. *At present the protection of non- executive staff and BSNL is more important which can be achieved only by evolving and establishing unity of all unions big or small.*

History will not forgive us if we continue mudslinging and fail to protect the BSNL and the interest of the employees as such. ***It becomes abundant duty and responsibility of Recognised Union to forge unity of all non-executive unions for greater cause.***

एक सुन्दर परन्तु अपर्याप्त पहल

बीएसएनएल वर्कर्स एलायन्स में सम्मिलित संघ निरन्तर मांग कर रहे थे कि सुचारू रूप से कार्य करने के लिए पंजीकृत तथा ऐप्लीकेन्ट संघों को न्यूनतम ट्रेड यूनियन सुविधाएं अर्थात अनौपचारिक बैठक, नोटिस बोर्ड, स्पेशल कैजुअल लीव प्रबंधन द्वारा प्रदान की जाय। 15 दिसम्बर की हड़ताल के पूर्व 12 दिसम्बर की औपचारिक बैठक में एनएफटीईई तथा बीएसएनएल वर्कर्स एलायन्स के अन्य संघों ने मुद्दे को जबरदस्त ढंग से प्रस्तुत किया। बीएसएनएल वर्कर्स एलायन्स के संघों ने ***दो टूक शब्दों में कहा कि वर्तमान में 55 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों का निगोशिएटिंग मशीनरी में प्रतिनिधित्व नहीं है।*** इस कारण कर्मचारियों की समस्याओं का विभिन्न स्तरों पर समाधान नहीं हो रहा है। यह कम्पनी के लिए ठीक नहीं है। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के अभाव में उनके द्वारा कम्पनी हेतु अपेक्षित योगदान सम्भव नहीं है।

परन्तु यह दुखद है कि प्रबंधन ने 5 जनवरी को एक आदेश जारी किया है कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु उन संघों को अनौपचारिक बैठक की सुविधा दी जाय जिनको पंचम वेरीफिकेशन में 15 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए हैं। यह प्रबंधन का आश्चर्यजनक कदम है। प्रशासन की यह उचित पहल होते हुए भी बिल्कुल अपर्याप्त है। प्रबंधन ने ऐसा कोई मेकैनिज्म नहीं बनाया है जिसके माध्यम से निगोशिएटिंग मशीनरी की परिधि से बाहर के कर्मचारियों की समस्याओं तथा कष्टों का समाधान सुनिश्चित हों।

प्रशासन को कार्मिकों के कष्टों तथा उनकी समस्याओं पर ध्यान देना आवश्यक है। आज कम्पनी संकट में है जिसका उबरना कर्मचारियों के सहयोग पर निर्भर है। यह तभी हो सकता है जब श्रमिक चिन्ता रहित तथा संतुष्ट हों। *इस तथ्य को भुलाना घातक होगा।*

यह सुखद है कि बीएसएनएलईयू ने प्रबंधन से समानुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर मान्यता के अपने नियम बनाने की मांग की है। यह पर्याप्त नहीं होगा। संघों की बृहत एकता स्थापित करने तथा मुख्य ध्येयों की प्राप्ति हेतु सभी पंजीकृत तथा ऐप्लीकेन्ट संघों को न्यूनतम ट्रेड यूनियन सुविधाएं मिलनी चाहिए। इस तथ्य को नकारना कठिन होगा कि संघों की एकता के अभाव में बहुत से मुद्दों, प्रमोशन पॉलिसी सहित, पर ग्रप 'सी' तथा 'डी' कर्मचारियों के साथ भेदभाव तथा हानिकारक व्यवहार किया गया है। परन्तु इस समय बीएसएनएल तथा इसमें कार्यरत कर्मचारियों की रक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सभी संघों की एकता स्थापित करके ही इस ध्येय की प्राप्ति सम्भव है।

यदि हम एक दूसरे पर कीचड़ फेंकते रहे तथा उद्योग तथा कर्मियों की रक्षा में असफल रहे तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। ***मान्यता प्राप्त संघ की जिम्मेदारी है कि वह सभी नॉन–इक्जीक्युटिव संघों की एकता स्थापित करने की पहले करे जिससे कि चुनौतियों तथा संकट से निपटा जा सके।***